ज्ञानदीप

(त्रैमासिक सूचना पत्र)

भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी संस्थान, पुणे - 411 001

आइ.एस.ओ. : 9001 प्रमाणित भारतीय रेल का
प्रथम प्रशिक्षण संस्थान

संस्थान - डी ओ टी (020) 6122271, 6123436, 6127545, 6125030
रेलवे - 5860, 5870

छात्रावास - डी ओ टी (020) 6130579, 6126816, 6121669, रेलवे 5896, 5897, 5898

फैक्स : 020-6128677
ई-मेल : dr-office@iricen.railnet.gov.in
टेलीग्राम : रेलपथ
वेब साइट : www.iricen.com

वर्ष - 5 | अंक - प्रथम | जनवरी - मार्च 2001

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन TO BEAM AS A BEACON OF KNOWLEDGE

इस अंक में

1) हमारे नए निदेशक
2) स्थापना दिवस समारोह
3) सेवा निवृत्त जाँच अधिकारियों की कार्यशाला
4) आई. पी. डब्ल्यू. ई. (आई.) के अंतर्गत गतिविधियां
5) गणतंत्र दिवस समारोह
6) हमारी महत्वपूर्ण उपलब्धि
7) हार्दिक बधाई
8) मुख्य सतर्कता अधिकारियों का सेमिनार
9) निकट भविष्य में आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षण पाठ्यक्रम
10) फील्ड पाठ्यक्रम
11) राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 70 वीं बैठक
12) मुख्य रेल पथ इंजीनियरों का सेमिनार
13) विशेष पाठ्यक्रम
14) स्वागत
15) विदाई
16) आपके पत्र
17) सृजन

1 हमारे नए निदेशक :-

1965 बैच के भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा के अधिकारी श्री कंवरजीत सिंह ने दि. 02-02-2001 से संस्थान के निदेशक (उच्च प्रशासनिक श्रेणी) का पदभार ग्रहण कर लिया है। इरिसेन परिवार आपका हार्दिक स्वागत करता है ।



श्री कंवरजीत सिंह

आपको उच्च गति मार्ग पर रेल पथ अनुरक्षण, रेल पथ आधुनिकीकरण, रेलवे कालोनियों, स्टेशन भवनों आदि के निर्माण तथा अनुरक्षण सहित रेलवे के कार्य संचालन का बहुविध दीर्घकालीन अनुभव प्राप्त है, साथ ही आपने जाम्बिया रेलवे पर रेल पथ पुनर्स्थापना की विश्व बैंक सहायता प्राप्त परियोजना पर भी काम किया है । निदेशक के रूप में पदस्थापना से पूर्व आप मंडल रेल प्रबंधक तथा रेलवे बोर्ड में सलाहकार (सतर्कता) जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके हैं ।

संपादकीय

पांचवे वर्ष का प्रथम अंक आपके हाथों में सौंपते हुए हमें अतीव प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है, इसी के साथ आपके प्रिय त्रैमासिक सूचना पत्र ने सफलता के चार वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। इस पांचवी वर्षगांठ पर हम इस पत्र का नामकरण ''ज्ञानदीप'' के रूप में कर रहे हैं। इस अवसर पर नव वर्ष की शुभकामनाओं के साथ हम अपने सभी प्रिय पाठकों, रचनाकारों तथा सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करना चाहते हैं, जिनके समर्थन, सहयोग तथा समालोचना के कारण आज हम इस मुक़ाम पर पहुंचे हैं।

'सृजन' स्तंभ हेतु आपकी रचनाओं तथा पत्रों की हमें सदैव प्रतीक्षा रहेगी।

'ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन' के अपने मूल उद्देश्य को केन्द्र में रखकर संस्थान अपने 'ज्ञान-दान' के पवित्र यज्ञ में रत है। इस नई सहस्त्राब्दी में सूचना प्रौद्योगिकी के आधुनिकतम साधनों के प्रशिक्षण में उपयोग से प्रशिक्षण अधिक आसान, रोचक तथा प्रभावी बन गया है।

आगामी अंक तक आपसे विदा ले रहे हैं।

संरक्षक
कंवरजीत सिंह
निदेशक
इरिसेन, पुणे

मुख्य संपादक
सुधीर कुमार जैन
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी
एवं प्राध्यापक- प्रशिक्षण

संपादक
विपिन पवार
राजभाषा सहायक
ग्रेड I

सहयोग
राजेश जायसवाल
सह प्राध्यापक
एम. बाबू, आर. जे. पाल

2 स्थापना दिवस समारोह :-



(चित्र में बाएं से श्री राजेन्द्र नाथ, महाप्रबंधक, मध्य रेलवे, श्री एम. रवीन्द्र, पूर्व अध्यक्ष - रेलवे बोर्ड, श्री आर. एन. मल्होत्रा, सदस्य - इंजीनियरी तथा श्री कंवरजीत सिंह, निदेशक, इरिसेन)

दि. 19 मार्च को संस्थान ने अपना 43 वाँ स्थापना दिवस मनाया । स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर छात्रावास में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम सम्पन्न हुआ ।

दि. 19 मार्च को आयोजित मुख्य समारोह में श्री एम. रवीन्द्र, मुख्य अतिथि तथा श्री राजेन्द्र नाथ, विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे । कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री आर. एन. मल्होत्रा ने की । इस अवसर पर मुख्य अतिथि के कर कमलों द्वारा उत्कृष्ट कार्य निष्पादन हेतु 7 प्रशिक्षु अधिकारियों को पुरस्कृत किया गया, साथ ही सदस्य, इंजीनियरी ने 1974 बैच के आई. आर. एस. ई. अधिकारियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए । तत्पश्चात इरिसेन द्वारा ''स्पीड ऑन कर्व्स'' विषय पर निर्मित कंप्यूटर प्रोग्राम की सीडी का विमोचन किया गया । आभार प्रदर्शन श्री बुध प्रकाश, वरिष्ठ प्राध्यापक ने किया । अपरान्ह में ''उच्च गति एवं अति व्यस्त मार्गों पर रेल पथ अनुरक्षण'' विषय पर एक सेमिनार सम्पन्न हुआ, जिसके पाठ्यक्रम निदेशक श्री अजीत पंडित, वरिष्ठ प्राध्यापक/पुल थे ।

समारोह का संचालन श्री सुधीर कुमार जैन, प्राध्यापक/प्रशिक्षण तथा श्री विपिन पवार, राजभाषा सहायक - I ने किया । स्थापना दिवस समारोह का सचित्र समाचार नगर के प्रमुख हिंदी, मराठी तथा अंग्रेजी समाचार पत्रों ने प्रमुखता से प्रकाशित किया ।

3 सेवानिवृत्त जाँच अधिकारियों की कार्यशाला :-

रेलवे बोर्ड के निदेशानुसार संस्थान में दि. 23 तथा 24 जनवरी को जाँच अधिकारी के रूप में नामिका पर रखे गए वरिष्ठ सेवानिवृत्त अधिकारियों के लिए एक कार्यशाला सम्पन्न हुई, जिसमें 11 अधिकारियों ने भाग लिया । पाठ्यक्रम निदेशक श्री एन. सी. शारदा, प्राध्यापक/कार्य थे ।

4 आई. पी. डब्ल्यू. ई. (आई.) के अंतर्गत गतिविधियां :-

इस तिमाही में इंस्टीट्यूशन ऑफ परमनेंट वे इंजीनियर्स (इंडिया), पुणे चैप्टर की व्याख्यान मालाओं के क्रम में श्री सी. पी. तायल, वरिष्ठ प्राध्यापक / रेल पथ ने "SMART (Specific measurable actionable realistic time-bouned/traceble) objectives" पर प्रस्तुतिकरण दिया, साथ ही दि. 11 तथा 12 जनवरी को लखनऊ में आई. पी. डब्ल्यू. ई. (आई.) का सेमिनार सम्पन्न हुआ, जिसमें संस्थान के वरिष्ठ प्राध्यापक श्री हितेश खन्ना ने ''ट्रैक कंडीशन मॉनिटरिंग - ए टूल फॉर ट्रैक मशीन डिप्लायमेन्ट'' विषय पर पेपर प्रस्तुत किया ।

5 गणतंत्र दिवस समारोह :-

संस्थान में दि. 26 जनवरी को उत्साहपूर्वक गणतंत्र दिवस मनाया गया । प्रातः संस्थान परिसर में वरिष्ठ प्राध्यापक श्री सी. पी. तायल ने ध्वजारोहरण किया, तत्पश्चात एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम सम्पन्न हुआ, जिसका संचालन श्री विपिन पवार ने किया ।

6 हमारी महत्वपूर्ण उपलब्धि :-

वर्ष 2000 के दौरान इरिसेन ने रेलवे के अलावा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों तथा निजी क्षेत्र के प्रतिष्ठानों के इंजीनियरों को भी प्रशिक्षण प्रदान किया, जिससे प्रशिक्षण शुल्क के रूप में संस्थान को कुल 14,68,999/- रूपये की आय हुई । निम्नलिखित उपक्रमों / संस्थानों / संगठनों / प्रतिष्ठानों के इंजीनियरों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया :-

''मलेशियन रेलवे, सूडान रेलवे, इरकॉन, राईटस्, कोंकण रेल निगम लिमिटेड तथा नेशनल थर्मल पावर कार्पोरेशन''

7 हार्दिक बधाई :-


(श्रीमती मोना श्रीवास्तव)

भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा की प्रथम महिला अधिकारी श्रीमती मोना श्रीवास्तव को रेलवे स्टॉफ कालेज, वडोदरा द्वारा सर्वतोमुखी (ऑलराउंड) प्रवीणता के लिए ''सर्वोत्कृष्ट प्रशिक्षु अधिकारी'' के पुरस्कार से सम्मानित किया गया है । आपने अपने प्रशिक्षण के दौरान प्रश्न मंच, निबंध लेखन, समूह गान, एकल संगीत, एकांकी, वाद विवाद तथा वाक् प्रतियोगिताओं में पुरस्कार प्राप्त किए । इरिसेन परिवार आपकी सफलताओं के लिए बधाई देता है और आपके उज्वल भविष्य की कामना करता है ।

8 मुख्य सतर्कता अधिकारियों का सेमिनार :-

संस्थान में दि. 13 तथा 14 फरवरी को क्षेत्रीय रेलों, उत्पादन इकाईयों तथा रेलवे के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के मुख्य सतर्कता अधिकारियों का एक सेमिनार सम्पन्न हुआ, जिसमें वरिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी के 27 अधिकारियों ने भाग लिया । इस सेमिनार में सदस्य कार्मिक श्री के. बालाकेसरी विशेष रूप से उपस्थित थे । पाठ्यक्रम निदेशक श्री सी. पी. तायल, वरिष्ठ प्राध्यापक / रेल पथ थे ।

9 निकट भविष्य में आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

सत्र क्र.	दिनांक		विषय	अधिकारियों की कोटि
	से	तक		
127	09-05-2001	10-05-2001	मुख्य इंजीनियर (निर्माण) का सेमिनार	प्र. प्र. श्रे.
114	14-05-2001	15-06-2001	वरिष्ठ व्यावसायिक पाठ्यक्रम (रेल पथ)	प्रवरण श्रेणी, अ.प्र.श्रे. तथा प्र. वे. मा.
126	14.05.2001	18.05.2001	आर.सी.सी. और पी.एस.सी. पुलों के अभिकल्प पर विशेष पाठ्यक्रम	अ.प्र.श्रे., प्र.वे.मा. तथा अ. वे. मा.
128	21.05.2001	25.05.2001	ठेके एवं विवाचन पर विशेष पाठ्यक्रम	प्रवरण श्रेणी, अ.प्र.श्रे. तथा प्र.वे.मा.
129	28.05.2001	01.06.2001	भवन निर्माण एवं अनुरक्षण पर विशेष पाठ्यक्रम	अ.प्र.श्रे., प्र.वे.मा. तथा अ. वे. मा.
130	06.06.2001	07.06.2001	मुख्य पुल इंजीनियरों का सेमिनार	मुख्य पुल इंजी.
103	11.06.2001	29.06.2001	भा.रे.इंजी.से.(परी.) 1999 परीक्षा के लिए कंप्यूटर पाठ्यक्रम (समूह 1)	भा. रे. इंजी. से. (परी.)
131	11.06.2001	13.06.2001	सम्पदा अधिकारियों के लिए विशेष पाठ्यक्रम	अ.प्र.श्रे., प्र.वे.मा. तथा अ. वे. मा.
110	18.06.2001	31.08.2001	समेकित पाठ्यक्रम	समूह 'ख' में पदोन्नत सिविल इंजी.विभाग के अधिकारी
132	18.06.2001	22.06.2001	कंक्रीट प्रौद्योगिकी पर विशेष पाठ्यक्रम	अ.प्र.श्रे., प्र.वे.मा. तथा अ. वे. मा.
133	27.06.2001	28.06.2001	प्रशिक्षण प्रबंधकों की बैठक तथा मुख्य सामान्य इंजीनियरों का सेमिनार	मुख्य सामान्य इंजीनियर
134	02.07.2001	04.07.2001	भार. रेल लेखा सेवा के परी. के लिए परिचयात्मक पाठ्यक्रम	भा. रे. ले. से. (परी.)
135	09.07.2001	13.07.2001	लंबी झलाईकृत रेलों एवं कंक्रीट स्लीपर अनुरक्षण पर विशेष पाठ्यक्रम	प्र. वे. मा. तथा अ. वे. मा.
136	16.07.2001	20.07.2001	अवपथन जांच पड़ताल पर विशेष पाठ्यक्रम	रेल पथ अनुरक्षण में शामिल सभी अधिकारी

10 फील्ड पाठ्यक्रम :-

दक्षिण रेलवे के अनुरोध पर संस्थान ने दि. 15 से 17 फरवरी तक दक्षिण रेलवे सिविल इंजीनियरी प्रशिक्षण संस्थान, ताम्बरम (चैन्नई मंडल) में ''अवपथन तकनीकें तथा चल स्टॉक की खराबियां'' विषय पर एक फील्ड पाठ्यक्रम आयोजित किया, जिसमें दक्षिण रेलवे के 31 अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने भाग लिया। इस पाठ्यक्रम में पाठ्यक्रम निदेशक श्री आर. के वर्मा, वरिष्ठ प्राध्यापक / कार्य तथा श्री रमेश पिंजानी, प्राध्यापक / रेल पथ 2 ने व्याख्यान दिए।

11 राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 70 वीं बैठक :-

दि. 23 फरवरी को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 70 वीं बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें दि. 31-12-2000 को समाप्त तिमाही की हिंदी प्रगति की समीक्षा की गई। निदेशक श्री कंवरजीत सिंह तथा उप मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री सुधीर कुमार जैन की यह पहली बैठक थी। इस बैठक में रेलवे हिंदी सलाहकार समिति के माननीय सदस्य श्री वीरेन्द्र याज्ञिक विशेष तौर पर उपस्थित थे।

12 मुख्य रेल पथ इंजीनियरों का सेमिनार :-

दि. 14 तथा 15 मार्च को मुख्य रेल पथ इंजीनियरों का सेमिनार सम्पन्न हुआ, जिसमें भारतीय रेल के 15 वरिष्ठ इंजीनियरों ने भाग लिया। पाठ्यक्रम निदेशक श्री सी. पी. तायल, वरिष्ठ प्राध्यापक / रेल पथ थे।

13 विशेष पाठ्यक्रम :-

दि. 19 से 30 मार्च तक सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम नेशनल थर्मल पावर कार्पोरेशन के इंजीनियरों के लिए संस्थान में एक विशेष पाठ्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 9 इंजीनियरों ने भाग लिया। पाठ्यक्रम निदेशक श्री सुभाषचंद गुप्ता, प्राध्यापक / कंप्यूटर थे।

14 स्वागत :-


श्री बुधप्रकाश

बी. ई. (सिविल) ऑनर्स तक शिक्षा प्राप्त 1969 बैच के भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा के अधिकारी श्री बुधप्रकाश ने दिसम्बर 1970 में उत्तर रेलवे के पालमपुर (हि. प्र.) में सहायक इंजीनियर के रूप में पदभार ग्रहण किया। उत्तर रेलवे में अनेक महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करने के उपरांत आपने मुख्य इंजीनियर, डीजल कलपुर्जा कारखाना, पटियाला का पदभार संभाला।

सभी प्रकार की सिविल इंजीनियरी परिसम्पत्तियों का निर्माण एवं अनुरक्षण, इस्पात संरचनाओ के संविरचन, संविदा प्रबंधन तथा बहु अनुशासनिक प्रबंधन आपकी विशेषज्ञता के क्षेत्र हैं। धार्मिक पुस्तकें पढ़ना आपकी रूचि का विषय है। आपने दि. 30 जनवरी से संस्थान में वरिष्ठ प्राध्यापक / इंजीनियरी (वरिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी) का पदभार संभाल लिया है।

उल्लेखनीय है कि मंडल रेल प्रबंधक, उत्तर रेलवे, जोधपुर के पद पर रहते हुए आपने नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, जोधपुर के अध्यक्ष के रूप में राजभाषा के प्रयोग-प्रसार के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किया है। इरिसेन परिवार आपका हार्दिक स्वागत करता है।

15 विदाई :-

- 1965 बैच के भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा के



श्री विनोद कुमार

अधिकारी श्री विनोद कुमार, निदेशक (उच्च प्रशासनिक श्रेणी) दि. 2-2-2001 को इरिसेन से स्थानान्तरित होकर वर्तमान में मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण), पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के रूप में कार्यरत है । इरिसेन परिवार आपके उज्वल भविष्य की कामना करता है ।



श्री अरविंद कुमार

● 1985 बैच के भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा के अधिकारी श्री अरविंद कुमार, वरिष्ठ प्राध्यापक (रेल पथ - 2), वरिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी, दि. 1-1-2001 को इरिसेन से स्थानान्तरित होकर वर्तमान में महाप्रबंधक (सिविल), राईट्स मुख्यालय, नई दिल्ली के रूप में कार्यरत है । इरिसेन परिवार आपके उज्वल भविष्य की कामना करता है ।

16 आपके पत्र

त्रैमासिक सूचना पत्र का प्रकाशन संस्थान द्वारा किया जा रहा है, उसको तकनीकी तथा इंजीनियरी दृष्टि से और अधिक पठनीय बनाने की आवश्यकता है । इसके लिए विशेष प्रयास किए जाने चाहिए, जिससे इंजीनियरी के क्षेत्र में भी हिन्दी को अधिक ग्राह्य बनाने में सहायता मिलेगी । तथापि, भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी संस्थान, पुणे द्वारा हिंदी में किए जा रहे काम के लिए संस्थान के सभी प्राध्यापक सराहना के पात्र है । संस्थान के निदेशक, श्री कंवरजीत सिंह ने हिन्दी कार्यान्वयन के प्रति अपनी गहरी रूचि प्रदर्शित की है, उसके लिए वे साधुवाद एवं अभिनंदन के पात्र है ।

- वीरेन्द्र याज्ञिक
सदस्य - रेलवे हिन्दी सलाहकार समिति,
रेल मंत्रालय

संस्थान का त्रैमासिक सूचना पत्र (जुलाई-सितम्बर 2000) का प्रेषण मेरे समक्ष है। पढ़कर अन्तर्मन बहुत प्रसन्न हुआ है। त्रैमासिक सूचना पत्र की भाषा अत्यन्त सारगर्भित है। समय-समय पर श्रेष्ठ व उच्च कोटि के कवि सम्मेलन होने से जीवन में सरसता आती है, शिराओं को ऊर्जा मिलती है।

- उमाश्री, कवयित्री
सदर बाजार, होशंगाबाद, (म. प्र.)

इरिसेन व्दारा प्रकाशित त्रैमासिक सूचना-पत्र का राजभाषा विशेषांक प्राप्त हुआ। धन्यवाद। अच्छा कागज, अच्छी भाषा, अच्छा शब्द संयोजन इसकी विशेषता है। यदि संभव हो सके, तो इसकी पृष्ठ संख्या बढ़ाकर इसे और अधिक उपयोगी बनाया जाए।

- मुकेश गौतम, हास्य-कवि
बी-1/208, 'हिमगिरी'
आत्माराम नगर, लोकग्राम
कल्याण (पूर्व) ठाणे - 421360

आपका राजभाषा विशेषांक मेरे हाथ में है, जिसकी साज-सज्जा, छपाई एवं इरिसेन की गतिविधियों की झांकी की जितनी प्रशंसा की जाए, कम है। आप व्दारा भेजी जाने वाली इस त्रैमासिक का इन्तजार रहता है। कृपया मेरी शुभकामनाएं स्वीकार करें।

- एल. एस. माथुर
अपर रजिस्ट्रार
रेल दावा अधिकरण
अहमदाबाद पीठ

17 सृजन (कविता)

देहरी का गीत

देहरी का गीत मैं किसको सुनाऊँ,
चुभन अपनी कसक अपनी किसको बताऊँ ।

आज खामोशी है मेरे आंगन में,
खो गए सब गीत मेरे कैसे बताऊँ ।

प्यार के पल मीत मेरे बन गए थे,
किस तरह बिछड़े मगर कैसे बताऊँ ।

हमसफर न साथ मेरे अब रहा,
खो गया किस भीड़ में कैसे बताऊँ ।

तुम उजाले की तरफ चलते रहे,
मैं अंधेरे में बढ़ा कैसे बताऊँ ।

अब तो ये तनहाईयां ही है साथी मेरी,
मैं सनम किसको, कहां, कैसे बताऊँ ।

देहरी का गीत मैं किसको सुनाऊँ,
चुभन अपनी कसक अपनी किसको बताऊँ ।

- आलोक कुमार
राजभाषा सहायक - II
पूर्वोत्तर रेलवे
लखनऊ मंडल

('सृजन' स्तंभ में व्यक्त किए गए विचार लेखकों के अपने विचार है।)

सुधीर कुमार जैन, उपमुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, प्रशिक्षण, भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी संस्थान, पुणे-1 द्वारा केवल सीमित निशुल्क आंतरिक वितरण हेतु प्रकाशित एवं **मेसर्स एम. आर. एंड कंपनी,** सदाशिव पेठ, पुणे 411030 फोन 4330449 द्वारा मुद्रित